सामाजिक विज्ञान
SOCIAL SCIENCE

2011 (A)

सामाजिक विज्ञान

समय : 3 घंटे + 15 मिनट] [पूर्णांक : 100

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

1. परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों में ही उत्तर दें।
2. दाहिनी ओर हाशिये पर दिये हुए अंक पूर्णांक निर्दिष्ट करते हैं।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. उत्तर देते समय परीक्षार्थी यथासंभव शब्द-सीमा का ध्यान रखें।
5. इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।

सामान्य निर्देश :

1. प्रश्न-पत्र पाँच ग्रुपों में विभाजित है, जिसमें कुल 47 प्रश्न दिए गए हैं। ग्रुप-A और ग्रुप-B में प्रत्येक 25 अंक, ग्रुप-C और ग्रुप-D में प्रत्येक 22 अंक तथा ग्रुप-E में 6 अंक निर्धारित हैं।
2. 2 अंक के सभी प्रश्न अतिलघु उत्तरीय है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 30 शब्दों में देना है।
3. 3 अंकों के सभी प्रश्न लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 60 शब्दों में देना है।
5. 5 अंकों के सभी प्रश्न दीर्घ उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 150 शब्दों में देना है।
6. मानचित्र से संबंधित प्रश्नों का उत्तर निर्देशानुसार देना है।

ग्रुप-A : इतिहास (25 अंक)

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

1. **कार्ल मार्क्स का जन्म कहाँ हुआ था?** 1
   (क) इंग्लैण्ड (ख) जर्मनी (ग) इटली (घ) रूस
2. **जालियाँवाला बाग हत्याकांड कब हुआ था?** 1
   (क) 6 अप्रैल, 1919 (ख) 9 अप्रैल, 1919
   (ग) 13 अप्रैल, 1919 (घ) 1 मई, 1919
3. **विश्व में सर्वप्रथम मुद्रण की शुरुआत कहाँ हुई?** 1
   (क) भारत (ख) जापान (ग) चीन (घ) अमेरिका
4. लंदन में अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा सन् ..... में लागू हुई। 1
5. ''भूमंडलीकरण'' नामक शब्द का सबसे पहले इस्तेमाल संयुक्त राज्य अमेरिका के ..... ने सन् ..... में किया। 1
6. रूस की क्रांति ने पूरे विश्व को प्रभावित किया। किन्हीं दो उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें। 2
7. हो-ची-मिन्ह का संक्षिप्त परिचय दें। 2
8. ग्रामीण तथा नगरीय जीवन के बीच किन्हीं दो भिन्नताओं का उल्लेख करें। 2
9. इटली के एकीकरण में मेजिनी का क्या योगदान था? 3
10. 1929 ई० के आर्थिक संकट के किन्हीं तीन कारणों का संक्षिप्त विवरण दें। 3
11. स्वतंत्र भारत में प्रेस की भूमिका पर प्रकाश डालें। 3
12. अखिल भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की स्थापना कैसे हुई? इसके प्रारंभिक उद्देश्य क्या थे? 5

अथवा,

उपनिवेशवाद से आप क्या समझते है? औद्योगीकरण ने कैसे उपनिवेशवाद को जन्म दिया?

AAONLINESOLUTION

ग्रुप-B : भूगोल (25 अंक)

13. गेहूँ उत्पादन हेतु मुख्य भौगोलिक दशाओं का उल्लेख करते हुए भारत के गेहूँ उत्पादक क्षेत्रों के नाम लिखें। 5

अथवा,

भारत का मानचित्र बनाइए तथा निम्नलिखित स्थानों को उसमें चिह्नित कीजिए—
(क) बोकारो (ख) भरतपुर (ग) भद्रावती (घ) सेलम।

अथवा,

केवल नेत्रहीन छात्रों के लिए—
निम्न पर संक्षिप्त भौगोलिक टिप्पणी लिखें—
(क) भाखड़ा-नांगल परियोजना (ख) राष्ट्रीय राजमार्ग।

14. मुम्बई हाई तेल उत्पादक क्षेत्र का परिचय दें। 3

15. 'हरित क्रांति' से आप क्या समझते हैं? 3

16. नई औद्योगिक नीति के मुख्य बिन्दुओं का वर्णन करें। 3

17. बिहार में सबसे प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 है, जो ..... के नाम से प्रसिद्ध है। 1

18. भारतीय रेलवे को ..... क्षेत्रों में बाँटा गया है। 1

19. वन विनाश के दो मुख्य कारकों का उल्लेख करें। 2

20. कोयले के चार प्रकारों के नाम लिखें। 2

21. व्यापारिक कृषि एवं निर्वाहक कृषि में अन्तर स्पष्ट करें। 2

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प चुनें।

22. भारत के किस स्थान पर पहला परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित किया गया था? 1
(क) कलपक्कम (ख) नरोरा
(ग) राणा प्रताप सागर (घ) तारापुर

23. कौन-सा जानवर केवल भारत में ही पाया जाता है? 1
(क) घड़ियाल (ख) डॉलफिन (ग) ह्वेल (घ) कछुआ

24. बिहार की पहली रेल लाइन निम्न में से कौन थी? 1
(क) मार्टीन लाइट रेलवे (ख) ईस्ट इंडिया रेलवे
(ग) भारतीय रेल (घ) बिहार रेल सेवा

ग्रुप-C : लोकतांत्रिक राजनीति (22 अंक)

25 लोकतंत्र किस तरह उत्तरदायी एवं वैध सरकार का गठन करता है? 5

अथवा,

नगर निगम के प्रमुख कार्यों का वर्णन करें।

26. राष्ट्रीय राजनीतिक दल किसे कहते हैं?

27. राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के तीन उपायों को संक्षेप में लिखें।

28. राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं का क्या योगदान है?

29. वर्तमान में नेपाल की शासन प्रणाली ..... है।

30. संघीय शासन की दो विशेषताएँ बताइए।

31. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के विषय में लिखें।

32. भारत में कहाँ महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था है?
(क) लोकसभा (ख) विधानसभा
(ग) पंचायती राज व्यवस्था (घ) मंत्रिमंडल

A ONLINE SOLUTION

33. 'सूचना के अधिकार आन्दोलन' की शुरुआत कहाँ से हुई? 1

(क) राजस्थान (ख) दिल्ली (ग) तमिलनाडु (घ) बिहार

34. भारतीय लोकतंत्र ..... लोकतंत्र है। 1

ग्रुप-D : अर्थशास्त्र (22 अंक)

35. आर्थिक नियोजन किसे कहते है? नियोजन के मुख्य उद्देश्य क्या हैं? 5

अथवा,

व्यावसायिक बैंकों के मुख्य कार्यों की विवेचना करें।

36. आर्थिक सुधारों या नई आर्थिक नीति की तीन विशेषताएँ लिखें। 3

37. बाह्यस्रोती किसे कहते हैं? 3

38. उपभोक्ता के कर्त्तव्यों के बारे में लिखें। 3

39. अर्थव्यवस्था आजीविका अर्जन की ..... है। 1

40. मुद्रा विनिमय का ..... है। 1

41. निम्न के विस्तारित रूप लिखें। 2

(क) G.D.P. (ख) W.T.O.

42. सहकारिता की परिभाषा लिखें। 2

43. भारतीय रिवर्ज वैंक की स्थापना कव हुई? 1

(क) 1934 (ख) 1935 (ग) 1948 (घ) 1951

44. वैश्वीकरण के मुख्य अंग कितने हैं? 1

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार

ग्रुप-E : आपदा प्रवंधन (6 अंक)

45. भूकंप क्या है? इससे बचाव के किन्हीं दो उपायों का उल्लेख करें। 3

46. निम्न में से कौन मानव जनित आपदा नहीं है? 1

(क) साम्प्रदायिक दंगा (ख) आतंकवाद

(ग) रेल दुर्घटना (घ) इनमें से कोई नहीं

47. बाढ़ से होनेवाली हानियों का वर्णन करें। 2

उत्तर (Answers)

1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. 1870 5. जॉन विलियम्सन, 1990

6. रूस की क्रांति ने पूरे विश्व को प्रभावित किया।

इसके दो उदाहरण निम्नलिखित है—

(i) **साम्राज्यवाद का पतन** : रूसी क्रांति ने साम्राज्यवाद के विनाश की प्रक्रिया तेज कर दी। संपूर्ण विश्व में समाजवादियों ने साम्राज्यवाद के विनाश के लिए अभियान चलाया।

(ii) **नए विश्वशक्तियों का उदय** : रूसी क्रांति के बाद रूस साम्यवादी सरकार का अगुआ बन गया। दूसरी ओर अमेरिका पूँजीवादी राष्ट्रों का नेता बन गया। इससे विश्व दो शक्ति खण्डों में विभक्त हो गया।

7. हो-ची-मिन्ह आधुनिक वियतनाम के जनक थे। हो-ची-मिन्ह का दूसरा नाम न्गूयेन-आई- क्वोक था। हिन्द-चीन में राष्ट्रीयता के विकास के क्रम में ही 1917 ई॰ में उसने पेरिस में साम्यवादियों का दल बनाया। 1925 ई॰ में इन्होंने वियतनाम क्रांतिकारी दल का गठन किया। 1930 ई॰ में इन्होंने वियतनामी कम्युनिष्ट पार्टी की स्थापना की। 2 सितम्बर, 1945 ई॰ को वियतनाम के स्वतंत्र होने के बाद हो-ची-मिन्ह इस लोकतंत्रीय सरकार के प्रधान बने और अंततः 1 सितम्बर, 1969 ई॰ में इनकी मृत्यु हो गई।

8. ग्रामीण तथा नगरीय जीवन के बीच दो भिन्नताएँ निम्न है—

(i) गाँवों के लोगों की जीविका पशुपालन, कृषि तथा छोटे-छोटे घरेलू उद्योग-धंधों पर निर्भर करता है। जबकि शहर के लोग विभिन्न व्यवसाय, उद्योग-धंधे तथा नौकरी में लगे रहते है।

A A ONLINE SOLUTION

(ii) गाँवों में आवास कच्ची मिट्टी और फूस के बने होते हैं जबकि शहरों में विशाल तथा साफ-सुथरी इमारतें होती हैं।

9. मेजिनी एक उदारवादी-राष्ट्रवादी क्रांतिकारी था। वह इटली को निरंकुश शासकों से मुक्त कराना चाहता था और उसे एक एकीकृत गणतंत्र के रूप में देखना चाहता था। वह योग्य सेनापति के साथ-साथ गणतांत्रिक विचारों का समर्थक भी था। अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसने ''यंग इटली'' नामक संस्था की स्थापना की। उग्र राष्ट्रवादी विचारों के कारण मेजिनी को निर्वासित होकर इंग्लैण्ड जाना पड़ा और वहीं से अपने लेखों एवं रचनाओं के जरिए इटली के एकीकरण के आन्दोलन को प्रेरित करता रहा।

10. विश्व के आर्थिक संकट के निम्नलिखित कारण थे—

(i) ये संकट औद्योगिक क्रांति के कारण वस्तुओं की आवश्यकता से अधिक उत्पादन के कारण पैदा हुई।

(ii) प्रथम विश्वयुद्ध के कारण यूरोप के देश इतने बर्बाद हो गए थे कि अमेरिका से माल आयात करने की अवस्था में नहीं थे।

(iii) जब तैयार माल का कोई खरीदार नहीं रहा तो वहाँ के कारखाने बंद हो गए और लाखों मजदूर बेरोजगार हो गए।

11. स्वतंत्र भारत में प्रेस साहित्यिक एवं सांस्कृतिक अभिरुचि जगाने में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रेस ने समाज में नवचेतना पैदा कर सामाजिक, धार्मिक, राजनीतिक एवं ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में क्रांति का सूत्रपात किया। यह समाज को नित्यप्रति की उपलब्धियों से परिचित कराता है। आज प्रेस लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने हेतु सजग प्रहरी के रूप में खड़ा है। प्रेस समस्त परंपराओं एवं मूल्यों की रक्षक तथा वर्तमान सामाजिक, वैज्ञानिक एवं राजनीतिक गतिविधियों को समझने एवं जानने के मुख्य स्रोत के रूप में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

12. भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन की शुरुआत 19वीं शताब्दी के अंतिम चरण में ''भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस'' की स्थापना से माना जाता है। 19वीं सदी के उत्तरार्द्ध में आधुनिक शिक्षा के प्रसार एवं समाचार पत्रों के विकास से भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना का विकास हो रहा था। इसी परिप्रेक्ष्य में कई संगठन भी स्थापित हो रहे थे। ऐसा ही एक संगठन इंडियन एसोसिएशन था जो राष्ट्रवादी शक्तियों को एकजुट करता था। 1884 ई॰ में एक रिटायर्ड ब्रिटिश अधिकारी ए॰ओ॰ह्यूम ने इसी उद्देश्य से ''भारतीय राष्ट्रीय संघ'' की स्थापना की। ह्यूम भारतीय नेता एवं वायसराय से लगातार विचार-विमर्श करते रहे। इन्हें ब्रिटिश पार्लियामेन्टी कमिटी का समर्थन भी प्राप्त था। 25-28 दिसम्बर, 1885 ई॰ में पूना में भारतीय राष्ट्रीय संघ की बैठक प्रस्तावित थी। परंतु वहाँ प्लेग फैलने के कारण इस बैठक का स्थान परिवर्तित कर दिया गया और यह बैठक गोकुलदास तेजपाल संस्कृत महाविद्यालय, मुम्बई में 28 दिसम्बर, 1885 ई॰ को हुआ। यहाँ इस संगठन का नाम बदलकर ''अखिल भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस'' कर दिया गया। इस प्रकार भारतीय राष्ट्रीय कॉंग्रेस की स्थापना हुई।

अथवा,

मशीनों के आविष्कार तथा फैक्ट्री की स्थापना से उत्पादन में काफी वृद्धि हुई। उत्पादित वस्तुओं की खपत के लिए नए बाजार की आवश्यकता थी। इससे उपनिवेशवाद को बढ़ावा मिला। उपनिवेशवाद में तकनीक रूप से कमजोर देश पर आर्थिक नियंत्रण स्थापित किया जाता है। इसी क्रम में भारत ब्रिटेन के एक विशाल उपनिवेश के रूप में उभरा। संसाधन की प्रचुरता ने उन्हें भारत की तरफ व्यापार करने के लिए आकर्षित किया। भारत ब्रिटेन के लिए एक वृहत बाजार के रूप में उभरा। अठारहवीं शताब्दी तक भारतीय उद्योग विश्व में सबसे अधिक विकसित थे। भारत विश्व का सबसे बड़ा कार्यशाला था जो बहुत ही सुंदर और उपयोगी वस्तुओं का उत्पादन करता था। 1850 ई॰ के बाद ब्रिटिश सरकार ने अपने उद्योगों को विकसित करने के लिए अनेक ऐसे सामान जिनकी वजह से कम अवधि में एक के बाद एक देशी उद्योग खत्म होने लगे। ब्रिटिश सरकार द्वारा बनायी गयी मुक्त व्यापार की नीति की वजह से भारत में निर्मित वस्तुओं पर ब्रिटेन में बिक्री के लिए भारी कर लगा दिया गया। भारत में कच्चा माल नियत किया जाने लगा। भारतीय वस्तुओं के निर्यात पर सीमा शुल्क और परिवहन कर लगाया जाने लगा। धीरे-धीरे ब्रिटिश पूँजी से भारत में कारखानों की स्थापना की जाने लगी। सूती वस्त्रों का आयात भी किया जाने लगा। भारत के कुटीर उद्योग मृतप्राय हो गए। एक तरफ जहाँ मशीनों के आविष्कार ने उद्योग एवं उत्पादन में वृद्धि औद्योगीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत की थी वहीं भारत में उद्योगों के लिए निरुद्योगीकरण के प्रक्रिया आरंभ हुई। औद्योगीकरण की इस प्रक्रिया ने उपनिवेशवाद का बढ़ावा दिया।

13. गेहूँ उत्पादन हेतु मुख्य भौगोलिक दशाएँ निम्नलिखित हैं—(i) गेहूँ शीतोष्ण कटिबंधीय पौधा है। इसके बोने के समय 10° सेंटीग्रेट तथा पकते समय 15° सेंटीग्रेट तापमान होना चाहिए। (ii) इसके उपज

A ONLINE SOLUTION

के लिए 50 से 75 सेमी वर्षा आवश्यक है। (iii) इसके लिए दोमट जलोढ मिट्टी उपयुक्त होती है। (iv) पकते समय गेहूँ को खिली धूप की आवश्यकता होती है।

उत्पादक क्षेत्र : देश में कुल गेहूँ उत्पादन का 2/3 हिस्सा पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्राप्त किया जाता है। देश का सबसे बड़ा गेहूँ उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश है जहाँ देश का 1/3 भाग गेहूँ पैदा किया जाता है। इसके अलावे बिहार, पं॰ बंगाल, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में भी गेहूँ की खेती की जाती है।

अथवा,

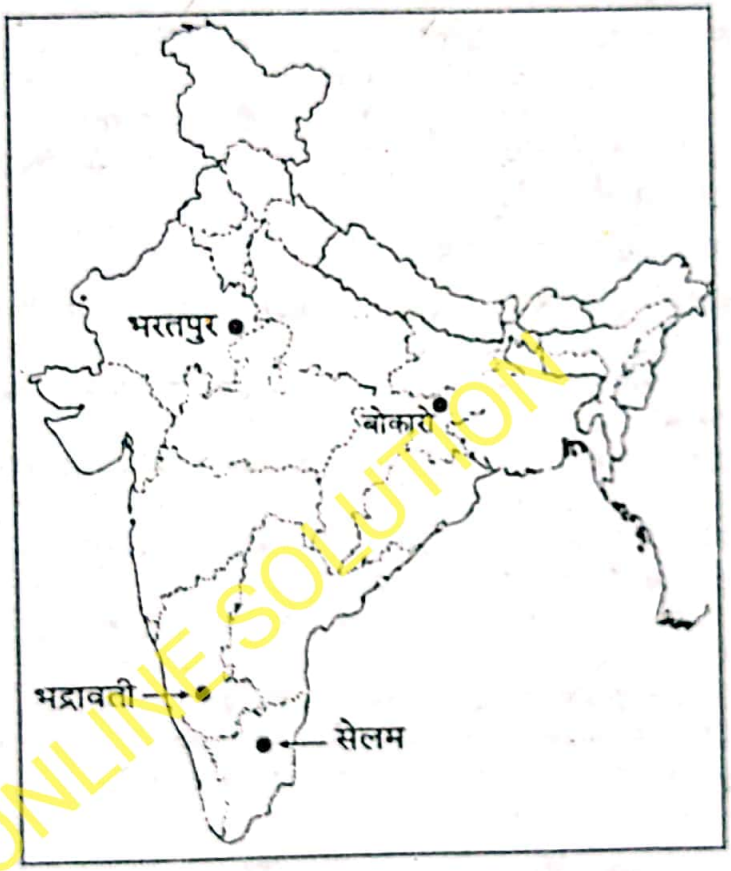

अथवा,

(क) भाखड़ा-नंगल परियोजना : यह परियोजना भारत की सबसे बड़ी नदी घाटी परियोजना है। इसकी ऊँचाई 225 मीटर है। यहाँ चार शक्ति-गृह बनाये गये है। एक भाखड़ा मे, दो गंगुवाल मे और एक कोटला मे स्थापित होकर 7 लाख किलोवाट विद्युत उत्पादन कर पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरखण्ड, उत्तरप्रदेश, राजस्थान तथा जम्मू कश्मीर राज्यो मे कृषि एव उद्योगो मे क्रांतिकारी परिवर्तन ला दिया है।

(ख) राष्ट्रीय राजमार्ग : यह देश के विभिन्न भागो और प्रातो को आपस मे जोड़ने का काम करते है। इसके निर्माण एव देख-रेख का दायित्व केन्द्र सरकार का है। देश मे कुल 228 राष्ट्रीय राजमार्ग है जिनकी कुल लबाई 66590 किमी है।

आर्थिक विकास मे वृद्धि के उद्देश्य से सरकार ने व्यापक राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना शुरू की है। इसके अंतर्गत स्वर्णिम चतुर्भुज राजमार्ग द्वारा देश के चार सबसे बड़े नगरो को आपस में जोड़ने का काम हो रहा है।

14. मुम्बई हाई क्षेत्र मुम्बई तट से 176 किलोमीटर दूर उत्तर-पश्चिम दिशा मे अरब सागर मे स्थित है। यहाँ 1975 मे तेल खोजने का कार्य शुरू हुआ। यहाँ समुद्र मे सागर सम्राट नाम मच बनाया गया है जो एक जलयान है और पानी के भीतर तेल के कुएँ खोदने का कार्य करता है। यहाँ 80 करोड़ टन तेल के भण्डार का अनुमान है।

15. भारतीय कृषियो मे क्रांतिकारी विकास को हरित क्रांति कहते है। नई प्रजातियो की फसल लगाकर, सिचाई सुविधाओ, आधुनिक उपकरणो के प्रयोग एव रासायनिक खाद उर्वरको के प्रयोग से भारतीय कृषि में सोना उत्पादन होने लगा है। भारतीय कृषि अब सहारा नही बल्कि व्यवसाय बन गई है। कृषि मे आई इस अमूल-चूल उत्थान को हरित क्रांति के नाम से जाना जाता है।

A A ONLINE SOLUTION

16. नई औद्योगिक नीति 2006 के आने के बाद बिहार सरकार द्वारा नये निवेशों को प्रोत्साहित करने के लिए उठाए गए कदम के बाद इस प्रक्षेत्र में काफी उत्साह बढ़ा है। बिआडा द्वारा उस प्रक्षेत्र में साहसिक कदम एवं औद्योगिक विकास हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। 2006-07 में 172.45 करोड़ रु॰ परियोजना लागत वाली 15 इकाइयों को जमीन दी गई है। भागलपुर में हथकरघा का निर्माण, पटना हवाई अड्डे में कारगो कम्पलेक्स की स्थापना और फतुहा में अंतर्देशीय कंटेनर डीपो की स्थापना इसी के तरह किया जाने वाला प्रयास है।

17. शेरशाह सुरी मार्ग 18. 16

19. वन विनाश के मुख्य कारक इस प्रकार हैं—(i) भारत में वनों के ह्रास का एक बड़ा कारण कृषिगत भूमि का फैलाव है। पूर्वोत्तर और मध्य भारत में जनजातीय क्षेत्र में स्थानान्तरी (झूम) खेती अथवा स्लैश और 'बर्न' खेती के चलते वनों का ह्रास हुआ है। (ii) बड़ी विकास योजनाओं से भी वनों को बहुत नुकसान हुआ है। (iii) वनों एवं वन्य जीवों के विनाश में पशुचारण और ईंधन के लिए लकड़ियों के उपयोग की भी काफी भूमिका रही है।

20. कोयले के चार प्रकारों के नाम इस प्रकार हैं—

(i) **एन्थ्रासाइट** (Anthracite Coat) : यह सर्वोत्तम कोटि का कोयला है। इसमें कार्बन की मात्रा 90-95% तक पाई जाती है।

(ii) **बिटुमिनस कोयला** (Bituminous Coal) : इसमें कार्बन की मात्रा 70-80% तक होती है। इससे कोक बनाया जाता है।

(iii) **लिग्नाइट कोयला** (Lignite Coal) : यह निम्न कोटि का कोयला है। इसमें कोयले की प्रतिशत मात्रा 35-50 तक होती है।

(iv) **पीट कोयला** (Peat Coal) : इसमें कार्बन की मात्रा 50 प्रतिशत, ऑक्सीजन 30 तथा हाइड्रोजन 10 प्रतिशत पाई जाती है।

एक अन्य कोयला केनल (Cannel) है जिसमें कार्बन की प्रतिशतता 40 होती है। इसका उपयोग गैस बनाने में होता है।

21. व्यापारिक कृषि में खेती आर्थिक लाभ कमाने के उद्देश्य से की जाती है। इसमें पूँजी एवं तकनीक में खर्च की जाती है ताकि अधिकाधिक उत्पादन हो, जैसे—दलहन की खेती। परंपरागत तरीके से की जानेवाली खेती निर्वाहक कहलाती है। इस खेती में कम पूँजी लगाकर जीवन निर्वाह हेतु फसल उत्पादन की जाती है। जैसे—धान की खेती।

22. (घ) 23. (ख) 24. (ख)

25. अमेरिका के भूतपूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन के अनुसार लोकतंत्र जनता का, जनता द्वारा तथा जनता के लिए शासन है। लोकतंत्र का मूल्यांकन करने पर यह स्पष्ट होता है कि जनता आम चुनाव में भाग लेते हैं और अपने प्रतिनिधियों को चुनने का कार्य करते हैं। लोकतंत्र में आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से मजबूत लोगों का दबदबा देखा जाता है। इसके बावजूद भी जनता में जागरूकता की वृद्धि एवं व्यापक प्रतिरोध से लगातार इसमें सुधार की संभावना बनी रहती है। शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार के कारण लोग अपने मताधिकर का बढ़-चढ़कर उपयोग कर रहे हैं जबकि पूर्व में जनता को वंचित कर दिया जाता था अथवा उनकी रुचि नहीं रहती थी। भारतीय लोकतंत्र के प्रति लोगों की आस्था में परिवर्तन हुआ है। लोग मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं साथ ही सरकार की निर्णय-पक्रिया में हस्तक्षेप भी कर रहे हैं। यही कारण है कि सरकार को जनता के प्रति उत्तरदायी बनना पड़ता है क्योंकि उसे जनता द्वारा नकार दिये जाने का खतरा बरकरार रहता है।

लोकतंत्र में कोई भी फैसला बहस-मुवाहिसों के बाद ही फैसला लिया जाता है। फैसलों को विधायिका की लंबी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। स्वाभाविक है कि फैसलों में अनिवार्य रूप से देरी होती है। अत्यधिक विलंब के कारण लिया गया फैसला भी अप्रासंगिक हो जाता है। वहीं दूसरी ओर फैसलों में देरी के मामले को यदि गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था से करते हैं और देखते हैं कि वहाँ फैसले शीघ्र एवं प्रभावी ढंग से लिए जाते हैं। लेकिन गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था में शीघ्र ही फैसला लिया जाता है। कभी-कभी यह अप्रासंगिक भी हो।ता है। क्योंकि यहाँ फैसला शीघ्र ही लिया जाता है। इससे लोग राहत का भी एहसास करते हैं। गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था में लिए गये फैसले से कभी-कभी क्षोभ एवं निराशा होती है। कारण यह है कि गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था के फैसलों में व्यक्तिगत पूर्वाग्रहों की अधिकता रहती है जो कभी सामूहिक जनकल्याण की दृष्टि से दुरुस्त नहीं होती है। लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोगों को यह जानने का हक होता है कि फैसले कैसे एवं किस प्रकार लिए जाते हैं। इस प्रकार देखा जाता है कि

A ONLINE SOLUTION

लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव नियमित रूप से होते हैं। सरकार जब कानून बनाती है तो उसपर जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ आम जनता के बीच भी खुलकर चर्चाएँ होती हैं।

अत: उपर्युक्त बातों से स्पष्ट होता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था थोड़ी-बहुत कमियों के बावजूद एक सर्वोत्तम शासन व्यवस्था है। गैर-लोकतांत्रिक व्यवस्था से तुलना के बाद यह निसन्देह कहा जा सकता है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था एक उत्तरदायी एवं वैध शासन व्यवस्था है।

अथवा,

भारत के राज्यों में नगरों के स्थानीय शासन के लिए तीन प्रकार की संस्थाएँ होती हैं। इन तीनों संस्थाओं में नगर निगम बड़े-बड़े शहरों में स्थापित की जाती है। तात्पर्य यह है कि जिस शहर की जनसंख्या तीन लाख से अधिक होती है वैसे शहरों में नगर निगम की स्थापना की जाती है।

नगर निगम के प्रमुख कार्य : नगर निगम नागरिकों की स्थानीय आवश्यकता एवं सुख-सुविधा के लिए अनेक कार्य करता है। नगर निगम के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं— (i) नगर क्षेत्र की नलियों, पेशाबखाना, शौचालय आदि का निर्माण करना एवं उसकी देखभाल करना। (ii) कूड़ा-कर्कट तथा गंदगी की सफाई करना। (iii) पीने के पानी का प्रबंध करना। (iv) गलियों, पुलों एवं उद्यानों की सफाई एवं निर्माण करना। (v) मनुष्यों तथा पशुओं के लिए चिकित्सा केन्द्र की स्थापना करना एवं छुआछूत जैसी बीमारी पर रोक लगाने का प्रयास करना। (vi) प्रारंभिक सरकारी विद्यालयों, पुस्तकालयों, अजायबघर की स्थापना तथा व्यवस्था करना। (vii) विभिन्न कल्याण केन्द्रों जैसे मातृ केन्द्र, शिशु केन्द्र, वृद्धाश्रम की स्थापना एवं देखभाल करना। (viii) खतरनाक व्यापारों की रोकथाम, खतरनाक जानवरों तथा पागल कुत्तों को मारने का प्रबंध करना। (ix) दुग्धशाला की स्थापना एवं प्रबंध करना। (x) आग बुझाने का प्रबंध करना। (xi) मनोरंजन गृह का प्रबंध करना। (xii) जन्म, मृत्यु का पंजीकरण का प्रबंध करना। (xiii) नगर की जनगणना करना।

26. राष्ट्रीय राजनीतिक दल : किसी लोकतांत्रिक देश में वैसे राजनीतिक दल जिनका अस्तित्व पूरे देश में होता है एवं जिनके कार्यक्रम एवं नीतियाँ राष्ट्रीय स्तर के होते हैं। इनकी इकाइयाँ राज्य स्तर की होती हैं। इन्हें राष्ट्रीय राजनीतिक दल कहते हैं। भारत में राष्ट्रीय राजनीतिक दल की मान्यता प्राप्त करने के लिए राजनीतिक दलों को लोकसभा या विधासभा के चुनावों में चार या अधिक राज्यों द्वारा कुल डाले गए वैध मतों का छः प्रतिशत प्राप्त करने के साथ किसी राज्य या राज्य से लोकसभा की कम-से-कम चार सीटों पर विजयी होना आवश्यक है या लोकसभा में कम-से-कम चार सीटों पर विजयी होना आवश्यक है या लोकसभा में कम-से-कम 2 प्रतिशत सीटें अर्थात् 11 सीटें जीतना आवश्यक है जो कम-से-कम तीन राज्यों से होनी चाहिए। भारत में राष्ट्रीय राजनीतिक दल का उदाहरण काँग्रेस (ई), भारतीय जनता पार्टी है।

27. राजनीतिक दलों को प्रभावशाली बनाने के तीन उपाय निम्नलिखित हैं— (क) राजनीतिक दल को अधिक लोकतांत्रिक बनाने के लिए महिलाओं को एक खास अनुपात में टिकट देना चाहिए। इसी प्रकार पार्टी के कुछ पदों को भी महिलाओं के लिए आरक्षित रखना चाहिए। (ख) पार्टी के आन्तरिक काम-काज को व्यवस्थित रखने के लिए कानून बनाना चाहिए। पार्टी में उभरे विवाद को सुलझाने के लिए एक स्वतंत्र पदाधिकारी को पंच रखना चाहिए तथा पार्टी के शीर्ष पदों को लोकतांत्रिक चुनाव द्वारा भरना चाहिए। (ग) लोग दबाव-समूह, आन्दोलन, मिडिया-पत्रों आदि के माध्यम से राजनीतिक दलों को सुधारने के लिए दबाव दे सकते हैं। क्योंकि लोकतंत्र में दलों के आधार लोग ही होते हैं।

28. राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं का योगदान : किसी भी लोकतांत्रिक देश में आधी जनसंख्या महिलाओं का होता है। भारतीय लोकतंत्र में भी महिलाएँ अपनी जिम्मेदारी निभा रही हैं। महिलाएँ कुशल गृहिणी के रूप में घर का सभी काम करती हैं। वे खाना बनाने, कपड़ा साफ करने, सिलाई-फड़ाई एवं बच्चे का पालन-पोषण करती हैं। आधुनिक दौड़ में महिलाएँ जीवन के हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। कृषि कार्य क्षेत्र में महिलाओं की कुल भागीदारी चालीस प्रतिशत है। ग्रामीण महिला कामगारों में 85 प्रतिशत महिला कृषि से जुड़ी विभिन्न काम करती है। आज सभी क्षेत्रों में महिलाओं की उपस्थिति देखी जा सकती है। आज महिलाएँ वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रबंधक, कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षक जैसे पेशें में दिखाई पड़ती हैं। इस प्रकार कहा जा सकता है कि महिलाएँ सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक जीवन में अपनी भूमिका निभा रही हैं।

29. लोकतांत्रिक

30. संघीय शासन की दो विशेषताएँ निम्नलिखित हैं— (i) संघीय शासन व्यवस्था में सर्वोच्च सत्ता केन्द्र सरकार और उसकी विभिन्न आनुसंगिक इकाइयों के बीच बँट जाती है। (ii) संघीय शासन व्यवस्था में नागरिकों की दोहरी पहचान एवं निष्ठाएँ होती हैं। वे अपने क्षेत्र के भी होते हैं और राष्ट्र के भी।

AAONLINE SOLUTION

31. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 : भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 में देश के सभी नागरिकों को स्वतंत्रता का मूल अधिकार दिया गया है। भारत के राज्यक्षेत्र में कहीं भी निवास करने और बस जाने का, कोई भी व्यवसाय और कारोबार करने का अधिकार सभी नागरिकों को प्राप्त है। अनुच्छेद 19 के अनुसार लोगों को विचारों की अभिव्यक्ति, संगठित होने एवं संगठन के निर्माण का अधिकार प्राप्त है।

32. (ग) **33.** (क) **34.** प्रतिनिध्यात्मक

35. आर्थिक नियोजन : आर्थिक नियोजन का अर्थ एक समयबद्ध कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्व निर्धारित सामाजिक एवं आर्थिक उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों का नियोजित समन्वय एवं उपयोग करना है। योजना आयोग के शब्दों में— ''आर्थिक नियोजन का अर्थ राष्ट्र की प्राथमिकताओं के अनुसार देश के संसाधनों का विभिन्न विकासात्मक क्रियाओं में प्रयोग करना है।''

नियोजन के मुख्य उद्देश्य : आर्थिक नियोजन के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं—(i) आर्थिक विकास की ऊँची दर को प्राप्त करना, (ii) आर्थिक असमानताओं में कमी लाना। (iii) समाज के कमजोर वर्गों का उत्थान करना। (iv) रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना। (v) आर्थिक आत्मनिर्भरता की प्राप्ति करना। (vi) मुद्रा-स्फीति पर नियंत्रण रखना। (vii) समानता एवं न्याय की स्थापना करना। (viii) अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण करना।

अथवा,

व्यावसायिक बैंक हमारे देश की वित्तीय संस्थाओं में से एक प्रमुख संस्था है। हमारे देश में व्यावसायिक बैंक विभिन्न प्रकार के कार्यों के द्वारा समाज एवं राष्ट्र की सेवा करते हैं। व्यावसायिक बैंकों के प्रमुख कार्यों का वर्णन निम्न प्रकार किया जा सकता है—

(i) **जमा राशि को स्वीकार करना :** व्यावसायिक बैंकों का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्य अपने ग्राहकों से जमा के रूप में मुद्रा प्राप्त करना है। समाज के लोगों या संस्थाओं द्वारा व्यावसायिक बैंकों में राशि जमा किया जाता है। इसी जमा राशि के आधार पर व्यावसायिक बैंक अपने ग्राहकों को कर्ज देकर लाभ प्राप्त करते हैं। व्यावसायिक बैंक चार प्रकार से जमा राशि स्वीकार करते हैं। वे हैं—(i) स्थायी जमा, (ii) चालू जमा, (iii) आवर्ती जमा और (iv) संचयी जमा।

(ii) **ऋण प्रदान करना :** व्यावसायिक बैंकों के पास जो राशि जमा के रूप में आता है, इसमें से एक निश्चित राशि नकद कोष में रखकर बाकी रुपये बैंक द्वारा दूसरे व्यक्तियों को उधार दे दिया जाता है। ये बैंक उत्पादक कार्यों के लिए ऋण देते हैं और उचित जमानत की माँग भी करते हैं। ये बैंक निम्न प्रकार से ऋण प्रदान करते हैं—(i) अभियाचित एवं अल्पकालिक ऋण, (ii) नकद साख, (iii) अधिविकर्ष, (iv) विनिमय बिलों को भुनाना, (v) ऋण एवं अग्रिम।

(iii) **सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य :** व्यावसायिक बैंक अन्य बहुत-से कार्यों का संपादन करते हैं, जिन्हें सामान्य उपयोगिता संबंधी कार्य कहते हैं। वे कार्य हैं—(i) यात्री चेक एवं साख प्रमाण-पत्र जारी करना, (ii) लॉकर की सुविधा प्रदान करना, (iii) ATM एवं क्रेडिट कार्ड सुविधा प्रदान करना, (iv) व्यापारिक सूचनाएँ एवं आँकड़े एकत्रीकरण।

(iv) **एजेंसी संबंधी कार्य :** आधुनिक समय में व्यावसायिक बैंक ग्राहकों की एजेंसी के रूप में सेवा करते हैं। इसके अंतर्गत बैंक (क) चेक, बिल व ड्राफ्ट का संकलन, (ख) ब्याज तथा लाभांश का संकलन तथा वितरण, (ग) ब्याज, ऋण की किस्त, बीमे की किस्त का भुगतान, (घ) प्रतिभूतियों का क्रय-विक्रय तथा (ङ) ड्राफ्ट तथा डाक द्वारा कोष का हस्तांतरण आदि क्रियाएँ करती हैं।

36. आर्थिक सुधारों या नई आर्थिक नीति की तीन विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) **उदारीकरण :** आर्थिक सुधारों के अंतर्गत भारत सरकार ने व्यापार एवं उद्योग को अवांछित सरकारी नियंत्रणों एवं पाबंदियों से मुक्त कर दिया।

(ii) **निजीकरण :** आर्थिक सुधारों की दूसरी विशेषता निजीकरण की नीति को बढ़ावा देना है ताकि निजी क्षेत्र विभिन्न आर्थिक क्रियाओं में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

(iii) **वैश्वीकरण :** हमारे देश में आर्थिक सुधारों के अंतर्गत वैश्वीकरण की नीति को अपनाया गया है ताकि अर्थव्यवस्था को अधिक लचीली, खुली हुई एवं वैश्विक स्तर पर अधिक प्रमुखता प्राप्त अर्थव्यवस्था में परिवर्तित हो सके।

37. बाह्यस्रोती (Outsourcing) **:** जब बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने संबंधित नियमित सेवाएँ अपनी कंपनी की जगह किसी बाहरी या विदेशी संस्था या समूह से प्राप्त करती हैं तो ऐसी सेवाओं को बाह्यस्रोती कहते हैं। उदाहरण के लिए भारत में डाबर जैसी कंपनी अपने उत्पाद को कम मूल्य पर बनाने के लिए अपने पड़ोसी देश नेपाल में कारखाने खोल रखे हैं, जहाँ श्रम-शक्ति सस्ती है।

A ONLINE SOLUTION

38. उपभोक्ता जब कोई वस्तु खरीदता है तो यह आवश्यक है कि वह उस वस्तु की रसीद अवश्य ले लें एवं वस्तु की गुणवत्ता, ब्रांड, मात्रा, शुद्धता, मानक, माप-तौल उत्पाद/निर्माण की तिथि, उपभोग की अंतिम तिथि, गारंटी या वारंटी पेपर, गुणवत्ता का निशान जैसे आई॰एस॰आई॰ एगमार्क, बुलमार्क, हॉलमार्क और मूल्य की दष्टि से किसी प्रकार के दोष, अपूर्णता पाते हैं तो सेवाएँ लेते समय अतिरिक्त सतर्कता एवं जागरूकता रखें।

39. प्रणाली 40. माध्यम

41. **G.D.P. :** Gross Domestic Product; **W.T.O :** World Trade Organisation

42. **सहकारिता :** सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्वक मिल-जुलकर समान स्तर पर आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिल-जुलकर कार्य करते हैं। सहकारिता का सिद्धांत यह भी बतलाता है कि विपन्न एवं शक्तिहीन व्यक्ति एक-दूसरे के साथ मिलकर व्यापारिक सहयोग के द्वारा ऐसे भौतिक लाभ अथवा सुख प्राप्त कर सके जो धनी और शक्ति-सम्पन्न व्यक्तियों को उपलब्ध हो और जिससे उनका नैतिक विकास हो।

43. (ख) 1935 44. (घ) चार

45. भूकम्प एक ऐसी प्राकृतिक आपदा है जिसकी उत्पत्ति पृथ्वी के आंतरिक शक्तियों के द्वारा होती है। पृथ्वी के अंदर दो बड़े प्लेटों के टकराने से कंपन उत्पन्न होता है, जिससे पृथ्वी का एक बड़ा हिस्सा कंपन करने लगता है। इससे धरातल पर के पेड़-पौधे तथा बड़े-बड़े मकान पल भर में ही गिर जाते हैं। इसके अलावे जगह-जगह दरारें पड़ जाती हैं, नदियाँ रास्ता बदल लेती हैं तथा सड़क एवं रेल पथ क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। इसे ही भूकम्प कहते हैं।

इसके बचाव के उपाय— (i) **भूकम्प का पूर्वानुमान :** भूकम्प के पहले तरंग और अनुकम्पन तरंगों को सही से सिस्मोग्राफ द्वारा मापन किया जाए तो समय रहते बचने का प्रयास हो सकता है।

(ii) **भूकम्प निरोधी भवन निर्माण :** भूकम्प निरोधी तकनीक से तैयार किये गये मकानों की स्वीकृति प्रदान किया जाए। इसकी जाँच करके ही भूकम्प क्षेत्र में भवन निर्माण कराया जाए जिससे भूकम्प के वेग को सहन करने की क्षमता कायम रहे।

46. (घ)

47. (i) जब बाढ़ आता है तो इससे हजारों लोग बेघर हो जाते हैं। उनके जान-माल से लेकर मवेशी तक संकट में पड़ जाते हैं। इसके अलावे कई एकड़ की फसलें बाढ़ में बर्बाद हो जाती हैं। (ii) इससे प्रभावित क्षेत्र में महामारी फैल जाती है एवं अनेक तरह की बीमारी से ग्रस्त लोग मरने लगते हैं। (iii) उपजाऊ मिट्टी का कटाव भी काफी अधिक होता है।

□

A ONLINE SOLUTION